ओ रोमियो में अविनाश तिवारी का जबरदस्त अवतार

अभिनेता अविनाश तिवारी अपनी आने वाली फिल्म ओ रोमियो में अपने अब तक के सबसे ज़बरदस्त अवतार में नजर आ रहें हैं. विशाल भारद्वाज की बहुप्रतीक्षित फिल्म ओ रोमियो का टीज़र रिलीज़ हो चुका है, और इसमें सबसे ज़्यादा ध्यान खींचते हैं अविनाश तिवारी. इस बार उनका किरदार ऐसा है जो चौंकाता भी है और हैरान भी करता है. अब तक सामने आए सभी किरदारों में यह उनका सबसे दमदार और अनएक्सपेक्टेड लुक माना जा सकता है. एक दमदार, ताक़तवर और आक्रामक अवतार में अविनाश स्क्रीन पर आते ही छा जाते हैं. चाहे लैला मजनू हो, बुलबुल, खाकी: द बिहार चैप्टर या द मेहता बॉयज़, हर रोल में उन्होंने सच्चाई, गहराई और असर दिखाया है. और अब ओ रोमियो का यह टीज़र इशारा करता है कि इस बार भी वह अपनी सीमाओं को और आगे ले जाने वाले हैं, एक ऐसा परफॉर्मेंस जो कच्चा है, तीव्र है और नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन.

ओ रोमियो एक एक्शन थ्रिलर है, और इसमें अविनाश तिवारी बिल्कुल नए शारीरिक रूप में नज़र आते हैं. पहली झलक में वह एक बुलफाइटर जैसे लगते हैं. चौड़े कंधे, गठीला बदन और डर पैदा करने वाली मौजूदगी. यह उनके अब तक के सभी किरदारों से बिल्कुल अलग है. आधा नंगा शरीर और सिर के बाएं हिस्से पर उकेरा गया टैटू उनके किरदार को और भी खतरनाक और अनिश्चित बना देता है. यह लुक खुद ही ताक़त और खतरे का एलान करता है, साफ बता देता है कि यह कोई साधारण रोल नहीं है.

अविनाश ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह मेरे अब तक के काम से बिल्कुल अलग रोल है और मैं यह देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं कि दर्शक इसे कैसे लेते हैं. विशाल भारद्वाज सर के साथ काम करना मेरे लिए एक शानदार मौका रहा है. अब दर्शक मुझे उनकी नज़र से देखेंगे, और यही बात मुझे और ज़्यादा एक्साइटेड करती है.'

परिणीति ने साझा किया अपना 'सीक्रेट मंत्र'

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने हाल ही में मां बनने के बाद के अपने अनुभवों और पोस्टपार्टम फेज की चुनौतियों पर खुलकर बात की है. एक्ट्रेस ने बताया कि वह मां बनने के बाद के शुरुआती दो महीने पूरे कर चुकी हैं और अब धीरे-धीरे सामान्य जीवन की ओर लौट रही हैं. परिणीति के अनुसार, इस संवेदनशील दौर में मानसिक स्वास्थ्य और मेडिटेशन उनके लिए संजीवनी साबित हुए हैं. उनका मानना है कि शरीर वही प्रतिक्रिया देता है जैसा हमारा मन सोचता है; इसलिए सकारात्मक सोच और मानसिक स्थिरता इस फेज में सबसे अधिक आवश्यक है.

अपनी दिनचर्या का एक अहम हिस्सा साझा करते हुए परिणीति ने बताया कि वह सुबह उठते ही फोन से पूरी तरह दूरी बनाए रखती हैं. उनका कहना है कि सुबह-सुबह सोशल मीडिया स्क्रॉल करने से दिमाग सुन्न हो जाता है और दिनभर के मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है. इसके बजाय, वह सुबह का समय खुद को देती हैं, जिसमें संगीत सुनना, प्रकृति के करीब रहना शामिल है.

30 जनवरी को रिलीज होगी रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3'

बॉलीवुड स्टार रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' 30 जनवरी 2026 को रिलीज होगी. यश राज फ़िल्म्स ने रानी मुखर्जी स्टारर 'मर्दानी 3' की रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया है. यह फिल्म 30 जनवरी को रिलीज़ होगी.

यश राज फ़िल्म्स की मर्दानी हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी सोलो फीमेल-लीड फ्रैंचाइज़ है, जिसे पिछले 10 वर्षों से दर्शकों का भरपूर प्यार और सराहना मिलती आ रही है. मर्दानी 3 में रानी मुखर्जी एक बार फिर निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नज़र आएंगी, जो न्याय के लिए निस्वार्थ भाव से लड़ती हैं.

यश राज फ़िल्म्स (वाईआरएफ) ने मर्दानी 3 की रिलीज़ डेट पहले करने की घोषणा करते हुए इसे 30 जनवरी 2026 को रिलीज़ करने का ऐलान किया. मेकर्स इस फ़िल्म को शिवानी की अच्छाई और खौफनाक बुराई के बीच एक खूनी और हिंसक टकराव के रूप में पेश कर रहे हैं,

जहां वह देश की कई लापता लड़कियों को बचाने के लिए समय के खिलाफ एक असाधारण रेस शुरू करती हैं.

मर्दानी 3 का निर्देशन अभिराज मिनावाला ने किया है और फ़िल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है. जहां मर्दानी (पहली फ़िल्म) ने मानव तस्करी की भयावह सच्चाई को दिखाया था, वहीं मर्दानी 2 में सिस्टम को चुनौती देने वाले एक साइकोपैथ सीरियल रेपिस्ट के खौफनाक दिमाग को उजागर किया गया था. मर्दानी 3 समाज की एक और अंधेरी और क्रूर सच्चाई में उतरने जा रही है, और फ्रैंचाइज़ की दमदार, मुद्दा-आधारित कहानी कहने की परंपरा को आगे बढ़ाएगी.

मीरा ने पिंकमून मेटा स्टूडियोज का किया शुभारंभ

मीरा चोपड़ा ने फिल्म प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखते हुए अपने बैनर पिंकमून मेटा स्टूडियोज़ का शुभारंभ किया है. पिंकमून मेटा स्टूडियोज़ की पहली 'गांधी टॉक्स' है.ज़ी स्टूडियोज़, क्यूरियस डिजिटल और पिंकमून मेटा स्टूडियोज़ के बैनर तले प्रस्तुत यह फिल्म, लेखक की कल्पना को बेहतरीन दृश्यात्मक भाषा और भावनात्मक गहराई के साथ पर्दे पर उतारती है. संवादों की अनुपस्थिति इस फिल्म की सबसे बड़ी शक्ति बन जाती है, जो दर्शकों को ठहरकर सोचने, महसूस करने और कहानी से गहरे स्तर पर जुड़ने का अवसर देती है.

मीरा चोपड़ा ने कहा, 'पिंकमून मेटा स्टूडियोज़ स्थिरता और गरिमा की शक्ति में मेरे विश्वास से न्मा है.

सन्नाटा खालीपन नहीं, बल्कि जागरूकता है. 'गांधी टॉक्स' इसी भाव को दर्शाती है. यह फिल्म ल्की आवाज़ में बोलती है, लेकिन देखने के बाद लंबे समय तक मन में रहती है.'

ऑस्कर विजेता ए. आर. रहमान का संगीत फिल्म की धड़कन बन जाता है.इस फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में विजय सेतुपति, अदिति राव हैदर, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव नज़र आएँगे. फिल्म का निर्देशन किशोर पांडुरंग बेलेकर ने किया है.

यह फिल्म 30 जनवरी, 2026 को रिलीज़ होगी.'गांधी टॉक्स' को उमेश कुमार बंसल, मीरा चोपड़ा, राजेश केजरीवाल और किशोर बेलेकर ने निर्मित किया है. फिल्म के सह-निर्माता अनिल भंडारी हैं.

कमल हसन 'जन नायकन' के समर्थन में आगे आए

अभिनेता कमल हासन ने अभिनेता विजय की फिल्म 'जन नायकन' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाण पत्र नहीं मिलने के बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और फिल्म प्रमाणन प्रक्रिया पर चिंता जताई है.

श्री हासन ने किसी संस्था का नाम लिए बिना या किसी विशिष्ट फिल्म का जिक्र किए बिना कहा, 'भारत का संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अधिकार देता है. यह क्षण किसी एक फिल्म से बड़ा है, यह उस स्थान को दर्शाता है, जो हम एक संवैधानिक लोकतंत्र में कला और कलाकारों को देते हैं.'

अभिनेता ने कहा, 'सिनेमा केवल एक व्यक्ति का श्रम नहीं है, बल्कि लेखकों, तकनीशियनों, कलाकारों, प्रदर्शकों और छोटे व्यवसाय करने वालों का सामूहिक प्रयास है, जिनकी आजीविका एक निष्पक्ष और समयबद्ध प्रक्रिया पर निर्भर करती है.' श्री हासन ने पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि सेंसरशिप के अस्पष्ट कामकाज रचनात्मकता को दबा सकती हैं और फिल्म उद्योग में आजीविका को क्षति पहुंचा सकती हैं.

अभिनेता ने कहा, 'जब स्पष्टता का अभाव होता है, तो रचनात्मकता सीमित हो जाती है, आर्थिक गतिविधियां बाधित होती हैं और जनता का विश्वास कमजोर होता है. अब प्रमाणन प्रक्रिया पर फिर से विचार करने, प्रमाणन के लिए समय निश्चित करने, मूल्यांकन को पारदर्शी बनाने और सुझाए गए प्रत्येक कट या संपादन के लिए लिखित व तर्कसंगत औचित्य देने की आवश्यक्ता है.'

श्री हासन ने फिल्म उद्योग से 'एकजुट होने और सार्थक, रचनात्मक संवाद में शामिल होने' का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि इस तरह के सुधार 'रचनात्मक स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे, संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखेंगे और अपने कलाकारों व लोगों पर विश्वास जताकर भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करेंगे.'

हासन की यह टिप्पणी थलपति विजय की फिल्म 'जन नायकन' से जुड़े विवाद की पृष्ठभूमि में आई है. शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय ने सीबीएफसी को फिल्म के लिए यू/ए 16 प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया, हालांकि बाद में सीबीएफसी द्वारा चुनौती देने के बाद इसकी सुनवाई के लिए 21 जनवरी का दिन तय किया गया है. फिल्म को सीबीएफसी से प्रमाणपत्र नहीं मिलने के कारण पोंगल के अवसर पर इसके रिलीज को स्थगित करना पड़ गया. तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के राज्य कानूनी विंग के संयुक्त समन्वयक इंद्र धनराज ने मीडिया से कहा, 'यदि फिल्म समय पर प्रदर्शित नहीं होती है, तो यह लोगों के लिए एक बड़ा नुकसान होगा.

'ताकत हमेशा ऊंची आवाज में नहीं होती': मानसी जोशी

'लक्ष्मी निवास' में मानसी जोशी रॉय लक्ष्मी के किरदार में नजर आ रही हैं. लक्ष्मी एक ऐसी महिला है जो बिना ज्यादा कहे, प्यार, सब्र और धैर्य के साथ अपने पूरे परिवार को संभाल कर रखती है. वह मिडिल क्लास परिवार की वो मजबूती है, जो दिखती भले कम है, लेकिन हर दिन महसूस होती है. यह किरदार सादगी, परंपरा और अंदरूनी मजबूती से जुड़ा है, जहां खामोशी, त्याग और बिना शर्त प्यार ही सबसे बड़ी ताकत बन जाते हैं. इस बातचीत में मानसी ने बताया कि सादगी से भरे इस किरदार को निभाना उनके लिए कितना खास है और कैसे लक्ष्मी के जरिए वह खामोशी, त्याग और बिना शर्त प्यार की ताकत को सामने लाती हैं.लक्ष्मी निवास' लक्ष्मी और श्रीनिवास की कहानी है, जो एक मिडिल क्लास दंपति हैं और पिछले 35 साल से किराए के घर में रह रहे हैं. अब जब रिटायरमेंट करीब है, तो वे अपने उस सपने को पूरा करना चाहते हैं, जो हर आम परिवार का होता है, यानी अपना खुद का घर. ये कहानी हर भारतीय परिवार से जुड़ती है, जहां पैसों की परेशानियां, परिवार की जिम्मेदारियां और आपसी प्यार साथ चलते हैं.

टीवी जगत

एण्डटीवी के कलाकारों ने मकर संक्रांति की यादों को किया साझा

रंग-बिरंगी पतंगों से सजा आसमान और तिल-गुड़ की खुशबू के साथ मकर संक्रांति गर्मजोशी, आपसी मेल-जोल और नई शुरुआत का संदेश लेकर आती है. इस खास मौके पर एण्डटीवी के लोकप्रिय कलाकारों ने इस त्योहार से जुड़ी अपनी खूबसूरत यादें, पसंदीदा व्यंजन और पारिवारिक परंपराएं साझा कीं. इनमें शामिल हैं-सीरत कपूर ('घरवाली पेड़वाली' की सावी), गीतांजलि मिश्रा ('हप्पू की उलटन पलटन' की राजेश) और विदिशा श्रीवास्तव ('भाबीजी घर पर हैं' की अनीता भाबी). 'घरवाली पेड़वाली' में सावी का किरदार निभा रहीं सीरत कपूर कहती हैं, 'मकर संक्रांति मेरे पसंदीदा त्योहारों में से एक है, क्योंकि इसमें जबरदस्त ऊर्जा होती है. मुझे पतंग उड़ाना बेहद पसंद है. बचपन से ही हमारे घर में यह मज़ेदार मुकाबला रहता था कि कौन सबसे ऊंची पतंग उड़ाएगा या किसकी पतंग कटेगी. एक बार पड़ोसी की पतंग काटने के चक्कर में मेरी अपनी पतंग पानी की टंकी में जा गिरी और सब हंस पड़े.

पप्पी भैया बनकर देसी रंग जमाते अनूप लोटा तिवारी

'घरवाली पेड़वाली' अपने सुपरनैचुरल कॉमेडी, देसी हास्य और आम जिंदगी से जुड़े किरदारों के कारण दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है. शो में देसीपन और कॉमेडी का तड़का लगाने का काम कर रहे हैं जाने-माने भोजपुरी अभिनेता अनूप लोटा तिवारी, जो इसमें पप्पी भैया के किरदार में नज़र आ रहे हैं. पप्पी भैया, जीतू के खास दोस्त हैं, लेकिन उनकी भली नीयत से दी गई सलाह अक्सर सबको और बड़ी मुसीबत में डाल देती है.

शो का हिस्सा बनने को लेकर अनूप लोटा तिवारी कहते हैं, 'घरवाली पेड़वाली' को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं. इस शो को करने की सबसे बड़ी वजह इसका हॉरर-कॉमेडी कॉन्सेप्ट है, जिसे मैंने पहले कभी नहीं किया था. यह मेरे लिए नया, ताज़ा और चुनौतीपूर्ण अनुभव है. इसके अलावा, कहानी का बनारस से गहरा जुड़ाव है, जो मेरी जड़ों से जुड़ा होने के कारण मुझे तुरंत पसंद आ गया.'

नौसेना में नौकरी पाने का सुनहरा अवसर

अगर आप नौसेना में नौकरी करने का सपना देख रहे हैं तो यह खबर आपके बेहद काम की है. इस भर्ती के तहत उम्मीदवारों का चयन जेईई मेन 2025 की रैंक के आधार पर किया जाएगा, जिसमें टेक्निकल और एग्जीक्यूटिव दोनों ब्रांच शामिल हैं.

नौसेना में नौकरी पाने का सुनहरा अवसर! 19 जनवरी तक कर सकते हैं आवेदन, जानें योग्यता और आवेदन प्रक्रिया

क्या आप सरकारी नौकरी करना चाहते हैं और नौसेना में सेवा देना चाहते हैं, तो आपके लिए सुनहरा अवसर आया है. भारतीय नौसेना ने 12वीं पास छात्रों के लिए भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है. यह भर्ती 10+2 बीटेक कैंडिडेट एंट्री स्कीम के तहत एग्जीक्यूटिव और टेक्निकल ब्रांच में स्थायी कमीशन के लिए की जा रही है. इस भर्ती के तहत कुल 44 पदों को भरा जाएगा. बता दें कि इन पदों पर पुरुष और महिला दोनों आवेदन कर सकते हैं.

हालांकि इन पदों पर उम्मीदवारों का चयन जेईई मेन 2025 के सीआरएल रैंक के आधार पर किया जाएगा. जिन उम्मीदवारों की जेईई मेन में अच्छी रैंक आई है, उन्हें एसएसबी इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा. बता दें कि इंटरव्यू भोपाल, बेंगलुरु, कोलकाता और विशाखापट्टनम में आयोजित किया जाएगा.

जानकारी दे दें कि इन पदों पर आवेदन करने की प्रक्रिया 3 जनवरी 2026 से शुरू कर दी गई है, जबकि आवेदन करने की अंतिम तिथि 19 जनवरी 2026 रखी गई है. अगर आप भी इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं तो आपको इस समय-सीमा के भीतर आवेदन कर देना चाहिए.

हालांकि आवेदन करने से पहले आपको योग्यता और उम्र सीमा पर नजर डाल लेनी चाहिए. उम्मीदवार के पास 10वीं और 12वीं में पीसीएम से कम से कम 70% अंक होना अनिवार्य है.

आशुलिपिक मुख्य परीक्षा के लिए सिटी स्लिप जारी

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने आशुलिपिक मुख्य परीक्षा 2026 के लिए शहर सूचना जारी कर दी है. उम्मीदवार अपनी सिटी स्लिप आधिकारिक वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर चेक कर सकते हैं. उम्मीदवार इसे डाउनलोड करने के लिए रजिस्ट्रेशन नंबर, जन्म तिथि, जेंडर और स्क्रीन पर दिखाया गया वेरिफिकेशन कोड दर्ज करेंगे. इस सिटी स्लिप की मदद से उम्मीदवार अपने परीक्षा केंद्र और शहर की जानकारी आसानी से देख सकते हैं.

आशुलिपिक के कुल 1,224 रिक्त पदों पर चयन के लिए यूपीएसएसएससी स्टेनोग्राफर मेन्स परीक्षा 2024 का आयोजन 20 जनवरी 2026 को किया जाएगा. यह परीक्षा सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगी और राज्य के चार जिलों- आगरा, कानपुर नगर, लखनऊ और मेरठ में

निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी.

इस भर्ती अभियान के तहत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग विभिन्न विभागों में स्टेनोग्राफर पदों को भरने जा रहा है. परीक्षा में सफल उम्मीदवारों का चयन आगे की प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा.

परीक्षा के लिए जरूरी गाइडलाइंस- उम्मीदवार सिटी स्लिप और एडमिट कार्ड समय रहते डाउनलोड कर लें और प्रिंट निकाल लें. एडमिट कार्ड पर दर्ज परीक्षा तिथि, समय और केंद्र का पता ध्यान से जांच लें. परीक्षा केंद्र की लोकेशन पहले से देख लें, ताकि समय पर पहुंचा जा सके.

रिपोर्टिंग टाइम से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुँचना अनिवार्य है.

अपने साथ वैध फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर आईडी/ड्राइविंग लाइसेंस आदि) जरूर रखें.

परीक्षा से जुड़ी सभी जानकारी के लिए केवल PSSSC की आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें. परीक्षा से एक दिन पहले सभी जरूरी दस्तावेज तैयार कर लें और पर्याप्त आराम करें.

ऐसे डाउनलोड करें सिटी स्लिप

सबसे पहले PSSSC की आधिकारिक वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाएं. होमपेज पर मौजूद Important Announcements सेक्शन को खोजें.

यहां 'आशुलिपिक परीक्षा शहर सूचना' लिंक पर क्लिक करें. अब अपना रजिस्ट्रेशन नंबर, जन्म तिथि, जेंडर और वेरिफिकेशन कोड दर्ज करें. लॉगिन करने के बाद स्क्रीन पर दिखाई देने वाली सिटी स्लिप डाउनलोड करें और उसका प्रिंट निकाल लें.

आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर बनने का सुनहरा मौका

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं और मेडिकल ऑफिसर के तौर पर काम करना चाहते हैं तो आपके लिए मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग एक सुनहरा अवसर लेकर आया है. आयोग ने आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है. मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने साल 2026 के लिए यह भर्ती निकाली है. इस भर्ती के तहत कुल 130 पद भरे जाएंगे. हालांकि पदों की संख्या सीमित है, ऐसे में उम्मीदवारों को समय रहते इसके लिए आवेदन कर देना चाहिए. इस भर्ती के लिए 13 मार्च, 2026 से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं. साथ ही इन पदों पर आवेदन करने की अंतिम तिथि 12 अप्रैल, 2026 निर्धारित की गई है.

अगर आप भी इसके लिए आवेदन करना चाहते हैं तो हम आपको इस भर्ती के बारे में पूरी जानकारी दे रहे हैं. हम आपको योग्यता और उम्र सीमा के अलावा सैलरी की जानकारी देंगे और इसमें कैसे आवेदन किया जा सकता है, इसकी भी पूरी जानकारी देंगे.

योग्यता और आयु सीमा पर नजर डालें- सबसे पहले योग्यता पर नजर डालें तो बता दें कि इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार के पास सीसीआईएम से मान्यता प्राप्त संस्थान से आयुर्वेद की डिग्री होना अनिवार्य है. इसके अलावा आयुर्वेदिक बोर्ड में पंजीकरण होना भी जरूरी है. वहीं उम्र सीमा पर नजर डालें तो इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष रखी गई है, जबकि अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष रखी गई है. उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी. सरकारी नियमों के मुताबिक आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को उम्र में छूट मिलेगी.

सैलरी की बात की जाए तो चयनित उम्मीदवारों को इस भर्ती में 56100 से लेकर 177500 रुपये तक प्रति माह का वेतन मिलेगा.

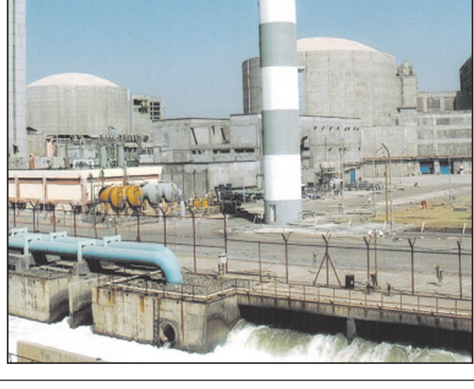

तारापुर परमाणु संयंत्र में 114 पदों पर भर्ती

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने वर्ष 2026 के लिए नई भर्ती अधिसूचना जारी की है. यह भर्ती महाराष्ट्र स्थित तारापुर एटॉमिक पावर स्टेशन में की जाएगी. एनपीसीआईएल ने स्पष्ट किया है कि आवेदन केवल भारतीय नागरिकों से आमंत्रित किए जाएंगे. इस भर्ती अभियान के तहत कुल 114 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी, जिनमें तकनीकी और प्रशासनिक दोनों तरह के पद शामिल हैं.

10वीं पास से ग्रेजुएट तक कर सकते हैं आवेदन

एनपीसीआईएल की इस भर्ती में पद के अनुसार 10वीं पास, आईटीआई, डिप्लोमा, बीएससी और स्नातक योग्यता रखने वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि आवेदन से पहले पदवार पात्रता शर्तें ध्यान से जांच लें.

ऑनलाइन आवेदन शुरू: 15 जनवरी 2026 (सुबह 10 बजे से)

आवेदन की अंतिम तिथि: 4 फरवरी 2026 (शाम 4 बजे तक)

निर्धारित समय के बाद किसी भी आवेदन को स्वीकार नहीं किया जाएगा.

पदों और योग्यता की जानकारी

इस भर्ती में जिन प्रमुख पदों पर नियुक्ति होगी, उनमें शामिल हैं:

साइंटिफिक असिस्टेंट
स्टाइपेंडियरी ट्रेनी
टेक्नीशियन
एक्स-रे टेक्नीशियन
असिस्टेंट ग्रेड-1

सबसे अधिक रिक्तियां स्टाइपेंडियरी ट्रेनी टेक्नीशियन पदों के लिए हैं. प्रशासनिक पद मानव संसाधन, वित्त एवं लेखा और सामग्री प्रबंधन विभागों में भी उपलब्ध हैं.

शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा

कुछ पदों के लिए इंजीनियरिंग डिप्लोमा या बीएससी की डिग्री आवश्यक है.

कुछ पदों पर 10वीं/12वीं + संबंधित ट्रेड में आईटीआई जरूरी है.